डायमण्ड कॉमिक्स

D-90 6.00

चाचा चौधरी और आबू पर हमला

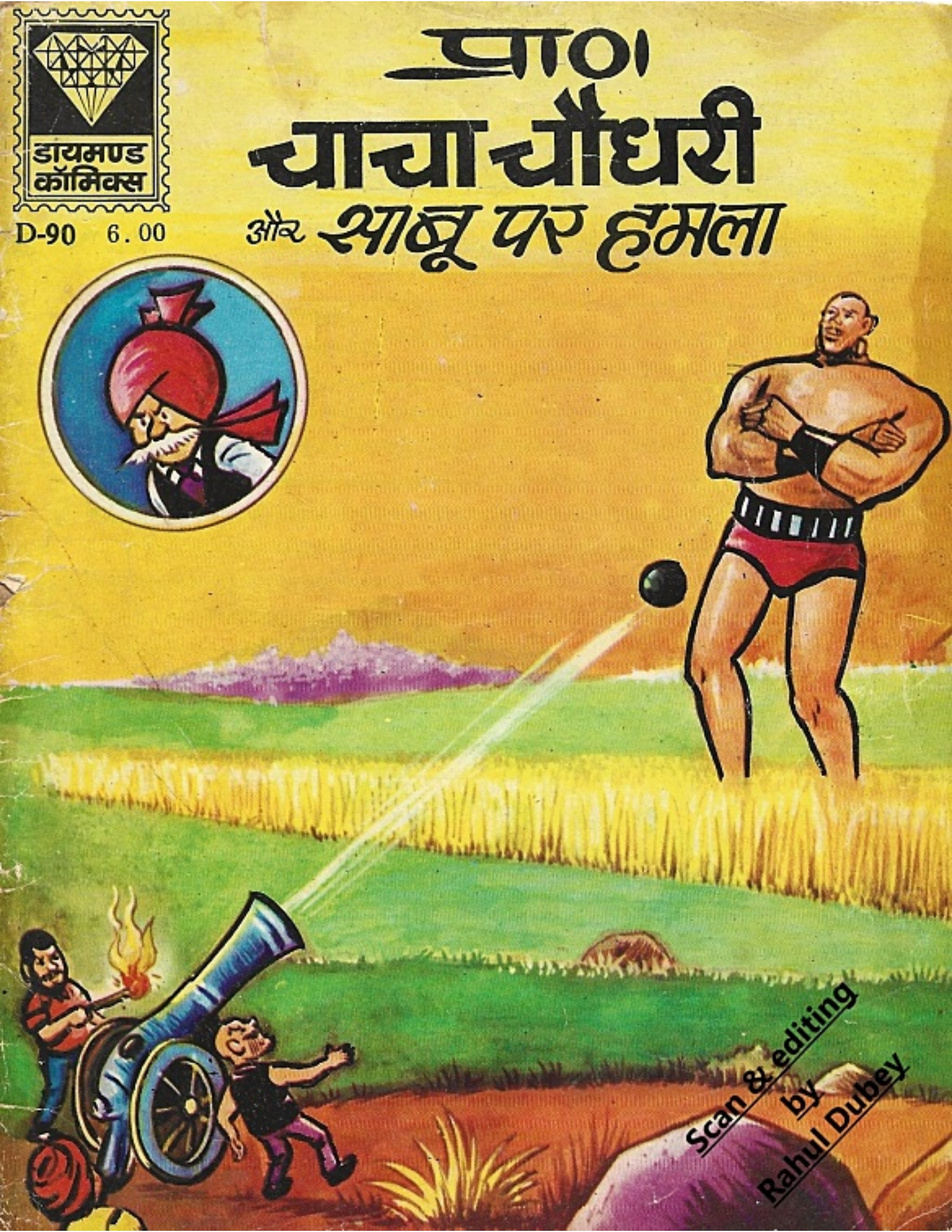

Scan & editing by Rahul Dubey

VISIT…

कार्टूनिस्ट प्राण

यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विभिन्न रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नामक छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है. विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालियर आकर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दिल्ली से शुरू हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरे भारत में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिपत्य को समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को लेकर स्थानीय विषयों और समस्याओं पर कॉमिक्स बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को लेकर 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित हो रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी','रमन','बिल्लू', और 'पिंकी',सारे भारत में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम दिया.

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनाई गई कॉमिक्स 'रमन – हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 1982 वर्ष का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - "अगर मैं टैक्स और मंहगाई के बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूं तो अपने मकसद को सफल समझूंगा".

—प्रकाशक

Printed and Published by: NARENDER KUMAR For Diamond Comics (P) Ltd. 2715, Darya Ganj, New Delhi and Printed at: Best Photo Offset Printers Okhla N.Delhi. Editor: Gulshan Rai.

साबू पर हमला

शेखू, डगरू और झगड़ू-डाकू.

चाचा चौधरी और साबू को जबतक हम ठिकाने नहीं लगा देते, हम पर हमेशा मुसीबत बनी रहेगी.

फिक्र मत करो. साबू को खत्म करने के लिए मैं यह तोप ले आया हूं. साबू के मरने से चौधरी की ताकत आधी रह जाएगी.

वाह! तोप के आगे साबू सचमुच नहीं ठहर सकेगा.

ले आओ तोप को. साबू को जहां कहीं देखो, हमला कर दो!

वह रहा साबू खेत में. फौरन उसे तोप से उड़ा दो

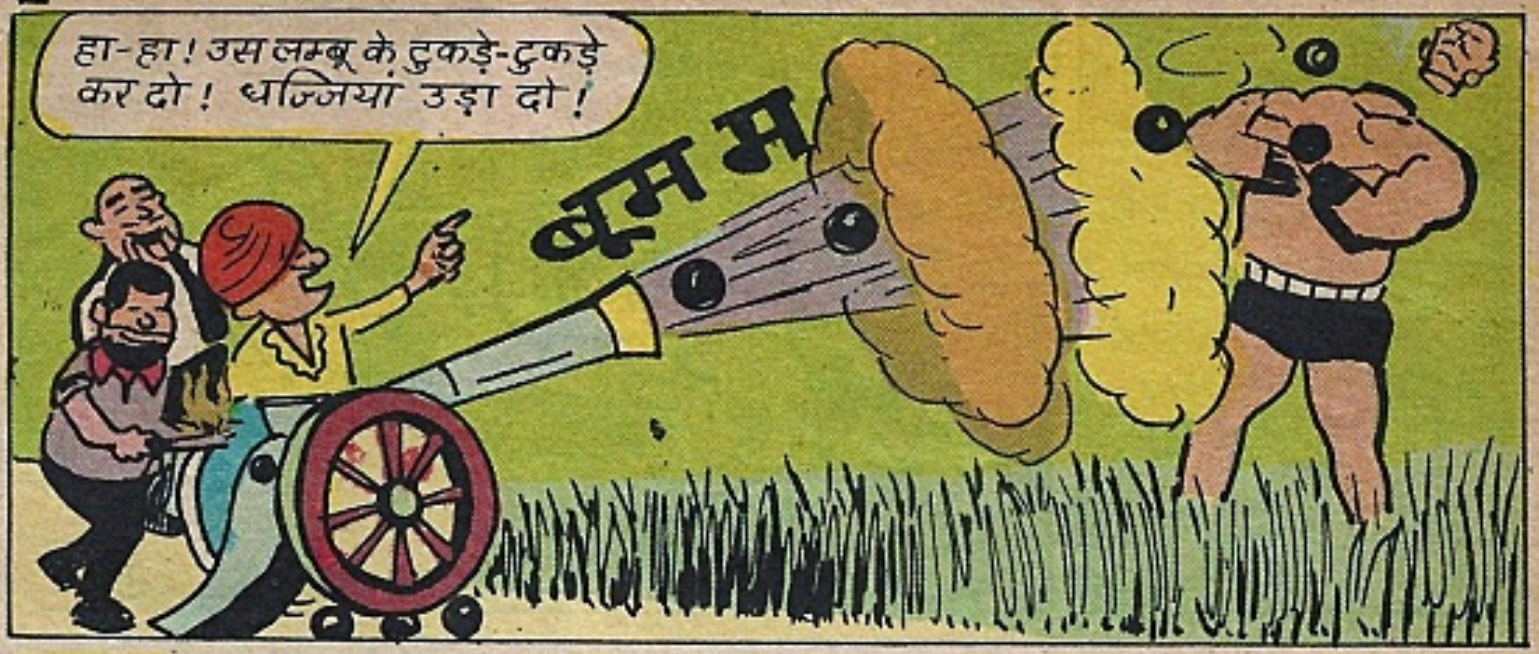
हा-हा! उस लम्बू के टुकड़े-टुकड़े कर दो! धज्जियां उड़ा दो!
बूम म

और दागो गोले! उसका नामो-निशान मिटा दो!

और दागो!
बस, गोले खत्म हो गए. साबू भी मर गया है.

खुशी मनाओ! नाचो, गाओ!

हा-हा-हा!
हो-हो!
अरे! यह किसके हंसने की आवाज है?

अरे! हमने तो साबू को मार दिया था. फिर यह कहां से आ टपका?

जिसे तुमने मारा है वह साबू का भूत था, जिसे मैंने खेत से चिड़ियां उड़ाने के लिए खड़ा कर दिया था.

भागो!

हा-हा-हा भाग कर कहां जाओगे?

रहम! हम फिर ऐसा नहीं करेंगे.

अच्छी बात है. जाओ, समुद्र में जरा गोते खाओ!

मिर्च और चोर

चाचा चौधरी को भी अजीब-अजीब धुन सवार होती है. दीपू ने जब चाचा चौधरी को तीन बोरियां सर पर लादे देखा तो हैरान रह गया.
अरे चाचा जी, सिर पर उठाए क्या लिए आ रहे हो?
मिर्च

मिर्च
तेरी चाची मुझे बड़ा तंग करती थी. हर दूसरे-तीसरे दिन कहती थी कि नमक-मिर्च खत्म हो गए. इस बार मैं पूरे साल के लिए बोरियों में नमक, मिर्च और गरम मसाला ले आया हूं.

चाचा चौधरी घर पहुंचता है.
मिर्च
यह लो, भागवान! नमक, मिर्च और गरम मसाला.
यहीं उतार दो. पहले मैं इन्हें देखूंगी. पिछली बार तुम मसाले खराब ले आए थे.

वाह, वाह! यह गर्म मसाला बड़ा खुशबूदार है, यह लाल मिर्च हाथ की कूटी लगती है. और नमक भी अच्छा है.
गरम मसाला
मिर्च
नमक

रात हो गई है. इन बोरियों को दरवाजे के पास ही रहने दो. सुबह मैं इन्हें रसोई में रखूंगी. चलो सोएं अब.

चाचा चौधरी और चाची जब सो जाते हैं तब आधी रात को दो चोर घर में घुसते हैं.

अच्छा हुआ दि... सो रहे...

श...श! चुपचाप दबे पांव चले चलो. यदि चौधरी की नींद खुल गई तो वह पिटाई लगाएगा कि छटी का दूध याद आ जाए.

दोनों दूसरे कमरे में पहुंचते हैं

वाह, यही वह तिजोरी है, जिसमें चाचा अपने जेवर और नकदी रखता है.

सारे बटोर लो. शुद्ध सोने के लगते हैं. इन्हें बेच बेच कर सारी उम्र आराम से खाते हुए गुजारेंगे.

तभी चाची की नींद खुल गई.

अजी मैंने कहा, उठो! मुझे साथ वाले कमरे में खटपट सुनाई दे रही है.

अरे चुपचाप सो जाओ! कमबख्त चूहे उछल-कूद मचा रहे होंगे.

तुम्हें तो सोते रहना ही अच्छा लगता है. मुझे तिजोरी में रखे अपने जेवरों की फिक्र है. ऐसा न हो कि तुम सोते रह जाओ और चोर सारी तिजोरी को साफ कर जाएं.

अच्छा, तुम कहती हो तो मैं लट्ठ ले जाकर देखता हूँ कि किस चोर ने मेरे घर घुसने की हिम्मत की?
मारे गए! चाचा चौधरी अपना मशहूर भीमसेनी लट्ठ ले कर इधर ही आ रहा है.
जान बचानी है तो सिर पर पैर रख कर भागो. वह है दरवाजा!
मसाला
मिर्च
जान बचाने की फ़िक्र में जल्दी में वे वहां रखी हुई लाल मिर्च और गरम मसाले की बोरियों से टकरा जाते हैं.
ओह!
उई ई! मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा. आंखों में लाल मिर्च पड़ गई है.
ओह! मेरी आंखों में गर्म मसाला पड़ गया!
मिर्च
चुपचाप सीधा थाने चलो वरना लट्ठ से बड़ा पीटूंगा.

चाचा चौधरी
की बीमारी

एक बार चाचा चौधरी बीमार पड़ गए. कई डाक्टर आए पर बीमारी किसी की समझ में न आई. अंत में एक बहुत बड़ा डाक्टर आया.
नहीं! बचने की कोई उम्मीद नहीं.

डाक्टर, किसी भी तरह चाचा चौधरी को बचाइए. उन्होंने बड़े खूंखार डाकुओं और समाज में गड़बड़ फैलाने वालों को पकड़वा कर पुलिस की मदद की है. यदि वह मर गए तो जनता के दिल को बड़ा धक्का लगेगा.
भई, मैं कोई ईश्वर तो हूं नहीं.

हां, एक बात है. यदि मरीज खिलखिला कर जोर से हंस दे तो शायद बच सकता है. हंसने से फेफड़ों की कसरत हो जाएगी, आक्सीजन अंदर जाएगा, खून का दौरा बढ़ जाएगा और मरीज बच जाएगा.

चाचा को हंसाने के लिए एक सर्कस का जोकर बुलाया जाता है.
ले जाओ इसे. यह मुझे बोर कर रहा है.

अब क्या होगा डाक्टर? जोकर तो मरीज को हंसाने में नाकामयाब रहा.

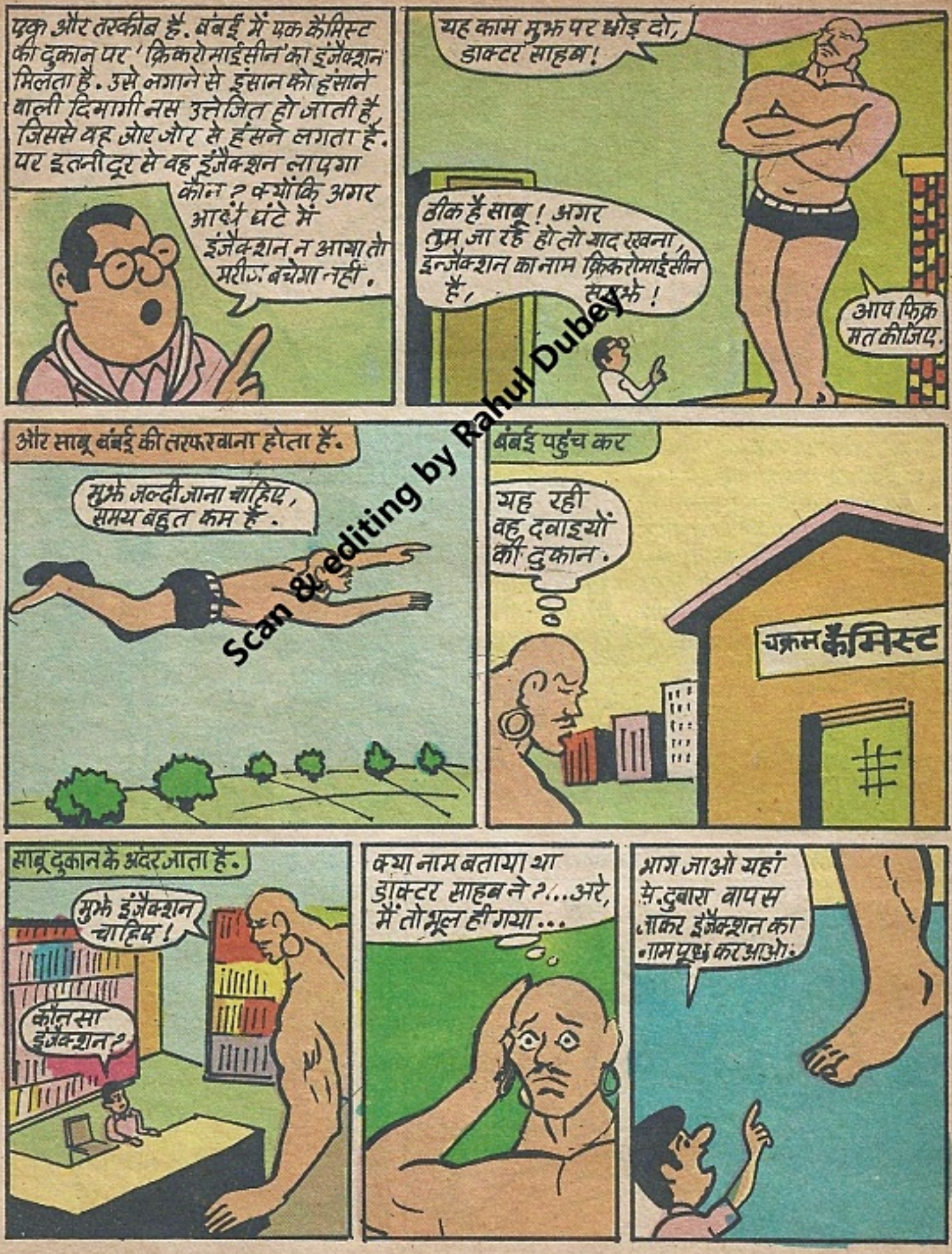

Scan & editing by Rahul Dubey

अगर मैं वापस नाम पूछने गया तो बहुत देर हो जाएगी और चाचा को बचाया नहीं जा सकेगा. ऐसी स्थिति में क्यों न मैं वही काम करूं जो हनुमान जी ने किया था. सारी कैमिस्ट की दुकान ही उठाकर ले चलता हूं.

और साबू कैमिस्ट की सारी दुकान उठा कर वापस चल दिया.

कैमिस्ट

साबू को आता देखकर लोगों के चेहरे खिल उठते हैं.

वह देखो डाक्टर साहब, वह आ रहा है.

अरे! मैंने तो उसे एक इंजैक्शन लेने भेजा था, वह तो सारी दुकान उठा लाया!

देखो, तुम्हारा साबू भी कैसा बेवकूफ है! एक इंजैक्शन लेने गया था, सारी कैमिस्ट की दुकान ही उठा लाया.

अच्छा?

सारी दुकान उठा लाया!

हा-हा-हो-हो-हो-हो हो हा

हो-हो हा हा हा हा

उसे खुलकर हंस लेने दो. शायद अब दवाई की जरूरत ही न पड़े.

साबू, तुम्हारा मालिक अब ठीक हो गया है. जाओ, जहां से यह कैमिस्ट की दुकान लाए हो, वहीं पर रख आओ!

कैमिस्ट

हा हा

बहुत अच्छा.

सोने के अंडे देने वाली मुर्गी
झटकू और मटकू – दो ठग.
यार झटकू, चाचा चौधरी घर पर नहीं है. क्यों न चाची को ठगा जाए.
बड़ा अच्छा विचार है.
मुर्गी ले लो, मुर्गी!
कितने की है यह?
चाची, सिर्फ दो हजार रुपए की.
दो हजार की? अरे दो हजार में तो भैंस आ जाती है.
अरे चाची, यह कोई ऐसी वैसी मुर्गी नहीं. यह सोने के अंडे देती है. थोड़े ही दिनों में मालामाल हो जाओगी, चाची.
अच्छा? तो दे दो मुझे यह मुर्गी. लो, दो हजार रुपए.
मान गया सुलेमान! तूने भी खूब बेवकूफ बनाया चाची को.
थोड़ी देर बाद चाचा घर आया.
देखो जी, मैंने यह मुर्गी खरीदी.

कितने की?
सिर्फ दो हजार रुपए की. बेचने वाले कह रहे थे कि यह सोने के अंडे देगी, और तुम्हें थोड़े दिनों में ही लखपति बना देगी.

ओह, भागवान! वे तुम्हें बेवकूफ बना गए. यदि मुर्गी सोने के अंडे देती होती, तो वे इसे बेचते ही क्यों? खुद लखपति न बन जाते? यह मुर्गी सिर्फ साधारण अंडे देगी.

चलो, जो हुआ सो हुआ. जब यह मुर्गी अंडा देगी तो मैं उसका आमलेट बना कर खा लिया करूंगा.
अरे! मुर्गी किधर गई?

वह देखो! वह बाहर को भागी जा रही है.
पकड़ो उसको.

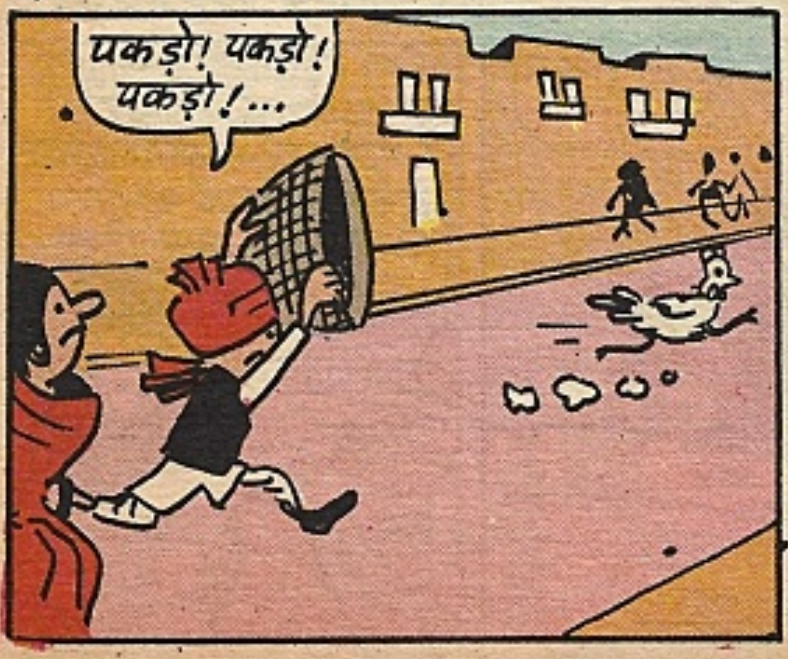
पकड़ो! पकड़ो! पकड़ो!...

पकड़ो! पकड़ो! भागने न पाए!

पकड़ो! पकड़ो!
भागने न पाए!
दो स्मगलर जंगल में सोने का हिसाब किताब लगा रहे थे.
अरे, यह शोर कैसा है?
लगता है पुलिस आ रही है.
पकड़ो पकड़ो
पुलिस? बाप रे, भागो!
मुर्गी भागते-भागते थककर, स्मगलरों द्वारा छोड़े गए सोने के बिस्कुटों के ढेर पर आ रुकी और अंडा दे दिया.
तभी चाचा चौधरी उसे दबोच लेता है.
पकड़ लिया.
लो, मैं सचमुच कहती थी! अंडा न सही मुर्गी ने सोने के ये ढेर सारे बिस्कुट दे दिए हैं.
अरी भागवान, मुर्गी न सोने का अंडा देती है न बिस्कुट, यह सोना जरूर चोरों या स्मगलरों द्वारा छोड़ा गया है. चलो हम इसे पुलिस को सौंप दें.
सारे सोने के बिस्कुट टोकरी में डालकर वे पुलिस थाने की ओर चल देते हैं.
पुलिस स्टेशन.
चाचाजी! आपने यह लाखों रुपए का सोना पकड़वाया है, इसलिए आपको यह दो हजार रुपए का इनाम दिया जाता है.

साबू का
गुड़वां भाई

एक दिन एक आदमी घबराया सा, चाचा चौधरी के पास आया
चाचा जी, आपका साबू शहर में लोगों की हत्यायें कर रहा है और मकानों में आग लगा रहा है!

यह कैसे हो सकता है साबू तो यहां मेरे पास बैठा है!

अरे हां साबू तो यहां बैठा है! फिर वह कौन है जो लोगों को अपने पैरों के नीचे कुचल रहा है!

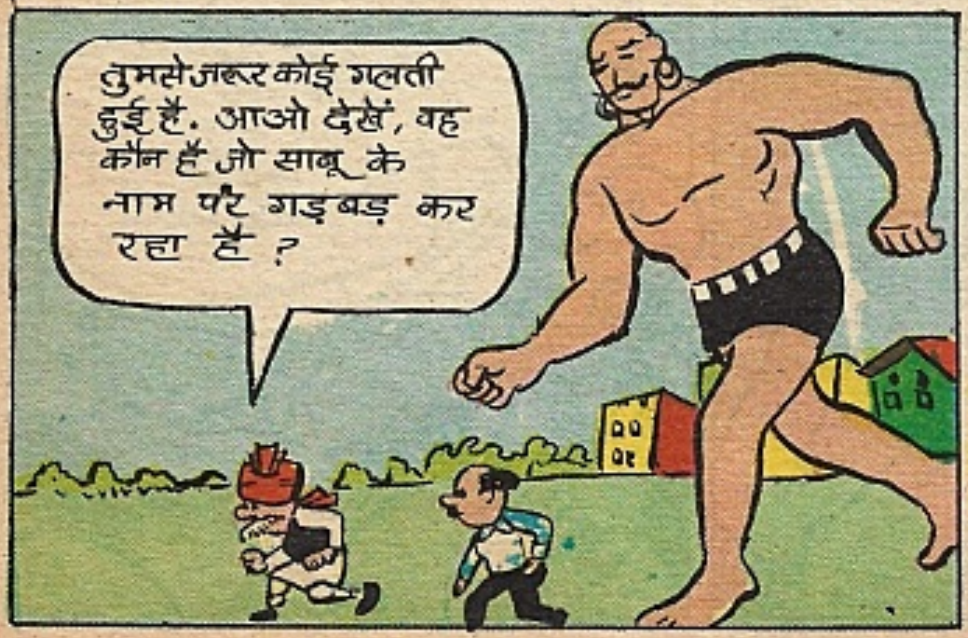
तुमसे जरूर कोई गलती हुई है. आओ देखें, वह कौन है जो साबू के नाम पर गड़बड़ कर रहा है?

वह देखो वह रहा, जो लोगों पर जुल्म कर रहा है!

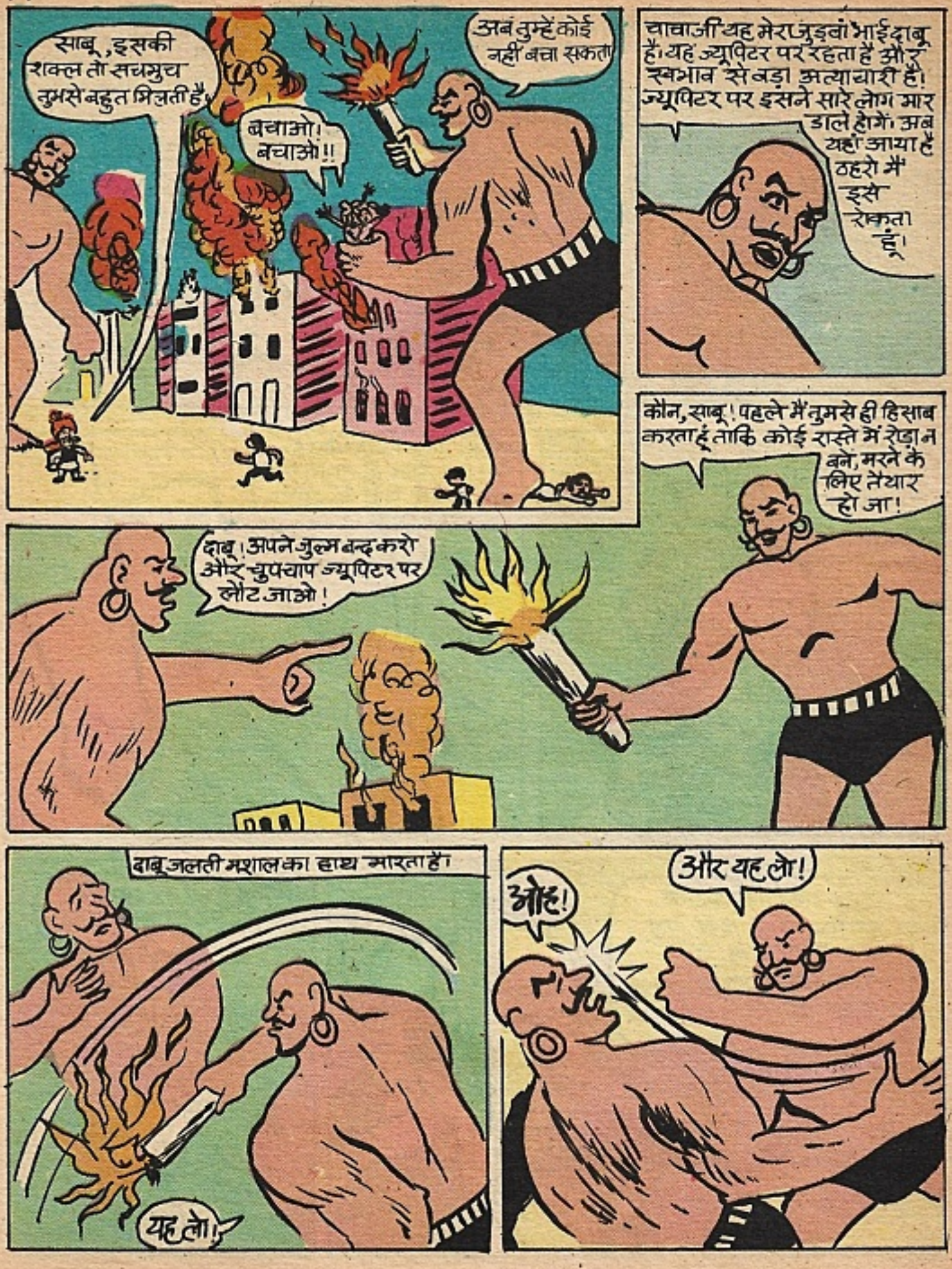
साबू, इसकी शक्ल तो सचमुच तुमसे बहुत मिलती है!
बचाओ! बचाओ!!
अब तुम्हें कोई नहीं बचा सकता!
चाचाजी यह मेरा जुड़वां भाई दाबू है। यह ज्यूपिटर पर रहता है और स्वभाव से बड़ा अत्याचारी है! ज्यूपिटर पर इसने सारे लोग मार डाले होंगे। अब यहां आया है ठहरो मैं इसे रोकता हूं।
कौन, साबू! पहले मैं तुमसे ही हिसाब करता हूं ताकि कोई रास्ते में रोड़ा न बने, मरने के लिए तैयार हो जा!
दाबू! अपने जुल्म बन्द करो और चुपचाप ज्यूपिटर पर लौट जाओ!
दाबू जलती मशाल का हाथ मारता है।
यह लो!
ओह!
और यह लो!

अब साबू को भी गुस्सा आजाता है, और वह भी वार करता है।

लो, मेरे घूंसे का स्वाद चखो!

होय,

और दाबू को दांव में फंसा लेता है।

कहो तो गर्दन तोड़ दूं।

रहम करो साबू, मैं अभी ज्यूपिटर पर लौट जाता हूं।

तुमने यहां आकर कई निर्दोष व्यक्तियों को मार डाला कई के घर जला दिए। यदि तुम मेरे भाई न होते तो जिन्दा नही रहते!

दाबू ज्यूपिटर पर वापस लौट जाता है।

दाबू वापस चला गया। अब हम भी वापस चलें!

नहीं जिनके घरों को मेरा भाई दाबू आग लगा गया है मुझे उनकी आग बुझानी है।

हाजमे की गोलियां

अरे सेठ जी सबेरे सबेरे किधर चल दिए ?

श: श: ! चुप ! मेरी जेब में दस हजार रुपए हैं जिन्हें मैं बैंक में जमा कराने जा रहा हूं !

अरे भई तो उसके लिए इन वॉडी गार्डों की क्या जरूरत है ?

चौधरी जमाना बहुत खराब है। मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। कहीं किसी चोर उच्चके ने मेरी पाकेट मार ली तो ?

अरे भई, इन बाडीगार्डों को देख कर अगर किसी को नहीं शक होता होगा तो भी हो जाएगा और जेबकतरे तुम्हारे पीछे लग जाएंगे।

तो फिर बताओ, मैं क्या करूं?

ठहरो, एक मिनट !

यह हैं नींद की गोलियां। अगर तुम्हारी जेब कट भी गई तो ये चोर को ढूंढने में मदद करेंगी !

नींद की गोलियां

इस शीशी का पुराना लेबल उतारकर यह नया "हाजमे की गोलियां" का लगा दिया।
हाजमे की गोलियां
अब तुम इस शीशी को नोटों के साथ जेब में रख लो!
इन बंदूकों के आगे यह क्या करेगी। लेकिन रख ही लेता हूं।
अच्छा चाचा जी चलता हूं।
बाजार में...
स्टॉप"
अरे सेठ जरा संभल कर चलो!
टक्कर
ओह मेरी कमर!
कोई बात नहीं सेठ जी, भीड़ में ठोकर लग ही जाती है। चलिए, उठिए!
अरे मेरे सारे नोट!? किधर गया वह, कम्बख्त, जिसने मेरे साथ कंधा भिड़ाया था
चाचा जी किसी ने मेरी पाकेट मार ली। पूरे दस हजार रुपए!
वह गोलियों की शीशी कहां है?
वह भी नोटों के साथ गई!

आओ, मेरे साथ ! चोर जरूर शहर के किसी होटल में हमें मिल जाएगा।
होटल
काफी होटल छान मारे। जरा अब इसमें भी झांक लें !
यह सो रहा है वह आदमी जिस ने तुम्हारी पाकेट मारी थी।
और यह लो, उसकी जेब से तुम्हारे खोए हुए नोट निकले हैं। गिन लो पूरे दस हजार होंगे !
लेकिन चाचा जी आपको कैसे पता चला कि यह आदमी होटल में सोया मिलेगा।
सारे पाकेटमार, जब किसी की जेब काटते हैं तो सबसे पहले भरपेट खाना खाते हैं। ज्यादा खाने के कारण मेरी नींद की गोलियों को हाजमे की गोलियां समझकर वह निगल गया।
बस ! आगे मैं समझ गया।
बैंक
वह रहा बैंक। जाओ पैसे जमा कर दो।
Scan & editing by Rahul Dubey

तेल और पानी
चाचा चौधरी और बैंक मैनेजर.
चौखटलाल बड़ा चालाक धोखेबाज है. एक बार वह नकली हीरों की गारंटी देकर बैंक से एक लाख रुपया कर्ज ले गया.
क्या आपने वह हीरे विशेषज्ञों को दिखाए नहीं थे?
दिखाए थे. सबने कहा, असली हैं. पर समय बीतते वह कांच के टुकड़े बन गए. चाचाजी आप हमारी मदद कीजिए.
आप अपना काम करिए. मैं एक तरफ बैठकर विचार करता हूं.
ठग चौखट लाल.
वाह चौखट! खूब चकमा दिया तूने बैंक को.
अब मैं दोबारा कर्ज के लिए उसी बैंक में जा रहा हूं.
क्या बैंक मैनेजर पहचान नहीं लेगा तुम्हें?

मैं यह विग और नकली मूंछें लगा कर जाऊंगा.
चौखटलाल भेष बदल कर आता है.
कहो, अब कोई मुझे पहचान सकता है ?
बिलकुल नहीं.
चौखटलाल उसी बैंक में.
मुझे एक लाख का कर्ज चाहिए.
गारंटी?
गोदाम में मेरे पास दस लाख रुपए का तेल रखा है. उसी की गारंटी ले लें.
मूल्य आंकने के लिए हमारे विशेषज्ञ तेल देखेंगे.
बड़ी खुशी से.
गोदाम में
एकाउंटेंट साहब! तेल के इन सारे ड्रमों की कीमत कितनी होगी?
दस लाख से ऊपर.
ठीक है इन्हें एक लाख कर्ज दे दो.

ठहरो! मुझे इस तेल में शक है.
अरे चाचाजी! यह तेल साफ नजर आ रहा है.
चौधरी इम को उलट देता है.
देखो, नीचे पानी भरा है. तेल पानी से हलका होता है, सो यह ऊपरी सतह पर तैरता रहा.
बापरे. भेद खुल गया. भागो!
कहां भागते हो?
तुमने मेरा रास्ता रोका तो छुरा घोंप दूंगा.
ओह!
यह लो!
तड़ाक!
विग और नकली मूछें नीचे गिर जाती हैं.
अरे! यही तो है ठग चौखटलाल. इसे फौरन पुलिस स्टेशन ले चलो.

शादी का मुहूर्त

क्यों साहब, यह बारात कहां जा रही है?
अलीगढ़ को. रेलवे स्टेशन से गाड़ी पकड़ेंगे.

उत्तरी रेलवे
लो दूल्हे मियां, नीचे उतरो. स्टेशन आ गया.

क्यों बाबूजी, अलीगढ़ जाने वाली गाड़ी कितने बजे आएगी?
कितने बजे क्या? अरे वह तो कब की निकल चुकी.
प्लेटफार्म

मारे गए! हम स्टेशन देर से पहुंचे और गाड़ी निकल गई. अगली गाड़ी कल आएगी. तब तक शादी का मुहूर्त निकल जाएगा.
हाय! क्या अब मेरी शादी नहीं होगी?

आप मेरा कहा मानो और चाचा चौधरी के पास जाओ. वह किसी न किसी तरह मुहूर्त गुजरने से पहले आपको अली-गढ़ पहुंचा देगा.
ठीक है.

चाचाजी, बहआप से कुछ सलाह लेने आए होंगे.
अरे भई साब! यह बारात हमारे घर की तरफ कैसे आ रही है? मेरी तो कोई शादी योग्य लड़की नहीं है.

चाचाजी, हमारी मदद करो. हमारी बारात ने अलीगढ़ जाना था. स्टेशन पर देर से पहुंचे और गाड़ी छूट गई. अगली गाड़ी आज कोई नहीं है.

अरे भाई, गाड़ी छूट गई तो क्या हुआ? बस या टैक्सी से चले जाओ.
बस और टैक्सी वालों की हड़ताल है.
हाय, मेरी शादी!

अरे, इसमें रोने की क्या बात है? कल की गाड़ी से चले जाना. पंडित जी नया मुहूर्त निकाल देंगे.
नहीं. अगर यह मुहूर्त निकल गया तो पंडित जी कहते हैं कि...

पूरे एक वर्ष तक मेरी शादी का कोई मुहूर्त नहीं. हाय मेरी शादी.
बेटा, चुप हो जा. हम पूरी कोशिश करेंगे.

चाचाजी, कृपया आप हमें किसी तरह अलीगढ़ पहुंचा दीजिए.
फिक्र मत करो. मुहूर्त निकलने से पहले तुम वहां पहुंच जाओगे.

साबू, इन सारे बारातियों को मिनिटों में अलीगढ़ पहुंचा दो.
अच्छा, चाचाजी.

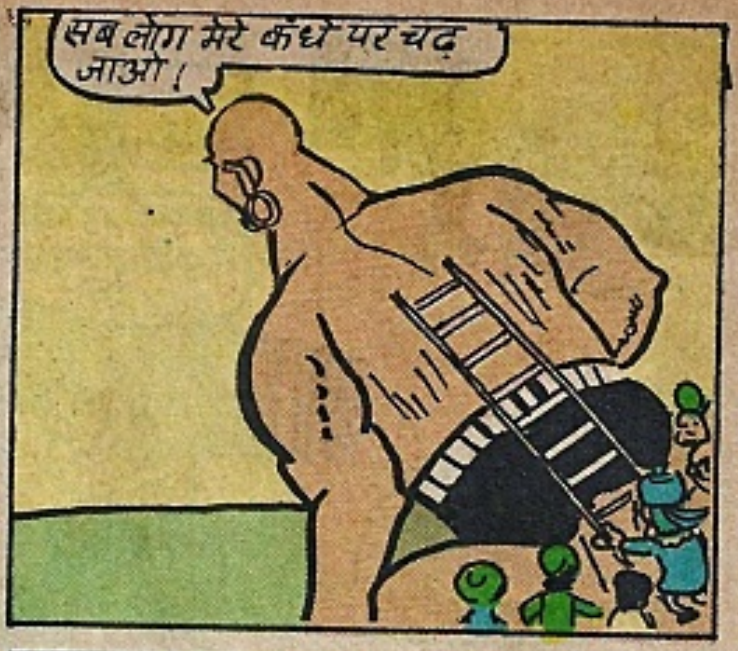
सब लोग मेरे कंधे पर चढ़ जाओ!

क्या सब लोग बैठ गए?
हां, अब चलो.

वाह! क्या तेज दौड़ रहा है यह बड़ा आदमी.
अजी फरांटियर मेल से ज्यादा रफ्तार है इसकी

लो भाई, अलीगढ़ आ गया. सिर्फ पन्द्रह मिनिट लगे हमें आने में.
अलीगढ़
और वह रही तुम्हारी ससुराल. वे सब तुम्हारे स्वागत की तैयारी में लगे हैं.

साबू भाई, थोड़ा खाना खाते जाओ.
अरे, अगर मैं खाना खाने बैठ गया तो तुम्हारी सारी बारात भूखी रह जाएगी.

घमंडी का सिर नीचा

अरी, भागवान ! साबू नजर नहीं आ रहा है।
मैंने भी उसे काफी दिनों से नहीं देखा.

वह कुछ दिनों के लिए छुट्टियां मनाने गया था. अब तक तो आ जाना चाहिए था.

अरे साबू ! कहां था इतने दिनों तक ?

चाचा जी मैं अंतरिक्ष में बहुत दूर जूपिटर ग्रह पर चला गया था।
अच्छा वहां क्या करता रहा इतने दिन ?

वहां मैंने बड़े बड़े पहलवानों के साथ कुश्ती लड़ी और सबको हरा दिया. फिर ज्यूपिटर के राजा ने मुझ पर कई शेर और हाथी छोड़े. मैंने उन्हें भी मार डाला. अब मैं दुनिया का सबसे ताकतवर प्राणी हूं.

भगवान साबू को जूपिटर पर जा कर घमण्ड हो गया है। उसे दुनिया में सबसे ताकतवर होने का जुनून सवार हो गया है। यह बात उसे कभी भी मुसीबत में डाल सकती है।

फिर?

अरे साबू तू ऐसी बात मत कर क्यों कि घमण्डी का सिर नीचा होता है।

हा: हा! मैं दुनिया का सबसे ताकतवर प्राणी हूं।

लगता है इस नेवकूफ पर घमंड का भूत सवार हो गया है। जरा इस के दिमाग के पुर्जे कसने पड़ेंगे, नहीं तो यह काम से गया।

अच्छा साबू, जरा उस पेड़ के तने को जोर से हिलाओ

यह कौनसी बड़ी बात है! अभी जड़ समेत उखाड़ता हूं, पेड़!

साबू पेड़ के तने को जोर से हिला देता है।

पेड़ की एक टहनी पर मधुमक्खियों का छत्ता था, वृक्ष हिलने से सारी उड़ पड़ती हैं।

अरे बाप रे मधुमक्खियां, इनका डंक है या 440 वोल्ट का करन्ट!

चाचा जी, मधुमक्खियां मेरे पीछे पड़ गई हैं।
चाचाजी बचाओ!

पहले वादा करो कि अब घमण्ड नहीं करोगे।

मेरी मैया! कान पकड़ता हूं आगे से घमंड नहीं करूंगा।

तो ठीक है, सड़क के उस पार नदी में छलांग लगा दो। और जब तक एक भी मधुमक्खी है ऊपर सिर न निकालना।

साबू दौड़कर नदी में छलांग लगा देता है।
जय बजरंग बली!

काफी देर तक वह पानी में डुबकी लगाए रहा।

और जब मधुमक्खियां चली गईं
धन्यवाद चाचाजी! आपने मेरी आंखें खोल दीं।

Scan & editing by Rahul Dubey

देखो, वह है फोकट. खुद को कुछ ज्यादा ही अक्लमंद समझता है. देखें...

यह सुनार बुद्धुराम बिलकुल ही बुद्धू है. आज उसे वो बेवकूफ बनाऊंगा कि बच्चू याद रखेगा.

ज्वेलर्स
यह सोने की मूर्ति जो शो केस में रखी है, वह मोटी रकम में बिकेगी.

फोकट बुद्धुराम के पास जाता है
सेठ जी, आपके शो केस में जो मूर्तियां रखी हैं, क्या मैं उन्हें साफ करके चमका दूं?
हां-हां, चमका दो.

फोकट शो केस की मूर्तियां साफ करने लगता है.
बस, यही मुझे चाहिए.

जब बुद्धुराम का मुंह दूसरी तरफ होता है तो फोकट झटसे गठरी से मूर्ति निकालता है

सोने की मूर्ति मैं गठरी में डाल लेता हूं और यहां अपनी पीतल की मूर्ति रख देता हूं.

सेठ बुद्धुराम जी, मैंने आप की मूर्तियां साफ कर दीं. लाइए मेरी मजदूरी.
यह लो एक रुपया
ज्वैलर्स
जल्दी से सेठ को बताते हैं असली बात.
सेठजी, चालाक फोकट आपको बेवकूफ बना गया. उसने आपके शो केस में से असली सोने की मूर्ति चुरा ली और वहां अपनी पीतल की मूर्ति रख दी. हमने अपनी आंखों से सब देखा है.
पता नहीं कौन किस को बेवकूफ बना गया! शो केस में हम असली मूर्तियां नहीं रखते, दिखावे के लिए हम लोहे की मूर्तियों पर हम सुनहरी पालिश चढ़ा देते हैं. फोकट मात खा गया. पीतल की मूर्ति के बदले लोहे की मूर्ति ले गया.
मैंने कहा था न कि दूसरों को बेवकूफ बनाने वाला खुद बेवकूफ होता है. अब फोकट का पीछा करें.
चोर बाजार में.
एकदम खालिस सोने की है. कितने हजार दोगे?
ले जा इस लोहे को, धोखा देता है? कोई कबाड़ी ही खरीदेगा इसे.
हा-हा!

चोरों को चकमा

चाची, चाचाजी कहां हैं?

यह रहे!
अरे चाचाजी आप? औरतों के लिबास में?

हां! तेरी चाची बाजार गई है. जब वह लौटकर आएगी तो मुझे कोई दूसरी औरत समझेगी...

जब वह मेरे पास आएगी तो मैं झट से घूंघट उलट दूंगा. वह भौचक्की रह जाएगी. अच्छा मजाक रहेगा.
वाह!

मैं यहां छुपकर तमाशा देखता हूं.

तीन उच्चके...
क्यों, कल कोई माल हाथ लगा?
नहीं उस्ताद. जब मैं एक महिला के जेवर उतारने लगा तो उसका पति आ गया.
कमबख्त! महिला को ही उठा लाता. जंगल में ले जाकर हम इतमीनान से उसके जेवर उतार लेते.
आओ मेरे साथ. मैं तुम्हें बताऊं कि औरतों के जेवर कैसे उतारे जाते हैं.
होटल
श: श:, वह घर में अकेली बैठी है. कपड़ा डालने के लिए तैयार हो जाओ.
शाबाश!
अर्ररर ऽऽ--
इस छोकरे को भी ले चलें. कहीं यह पुलिस को खबर न कर दे.

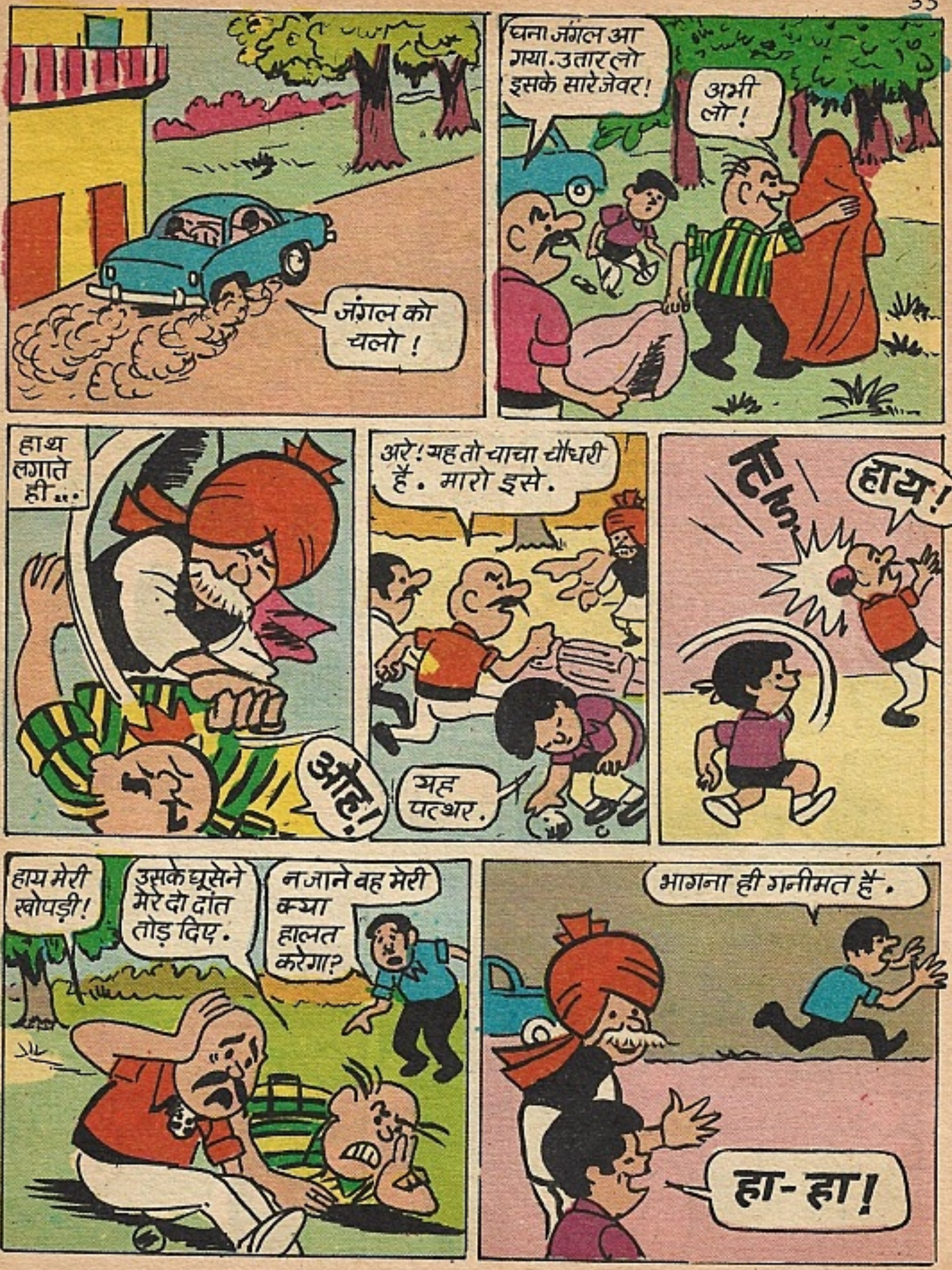
जंगल को चलो !
घना जंगल आ गया. उतार लो इसके सारे जेवर!
अभी लो !
हाथ लगाते ही...
ओह!
अरे! यह तो चाचा चौधरी हैं. मारो इसे.
यह पत्थर.
हाय!
हाय मेरी खोपड़ी!
उसके घूसेने मेरे दो दांत तोड़ दिए.
न जाने वह मेरी क्या हालत करेगा?
भागना ही गनीमत है.
हा-हा!

म्यूजियम
में चोर

एक दिन शहर के म्यूजियम का डायरेक्टर भागता आया.
चाचाजी, जल्दी चलिए! गजब हो गया.
अरे भई, क्या हुआ?

म्यूजियम में रखी हुई एक बहुत प्राचीन मूर्ति के कान का आभूषण चोरी हो गया है. उसमें कीमती हीरे जड़े थे और उसकी कीमत लाखों में आंकी जाती है.
चलिए, म्यूजियम जाकर देखें.

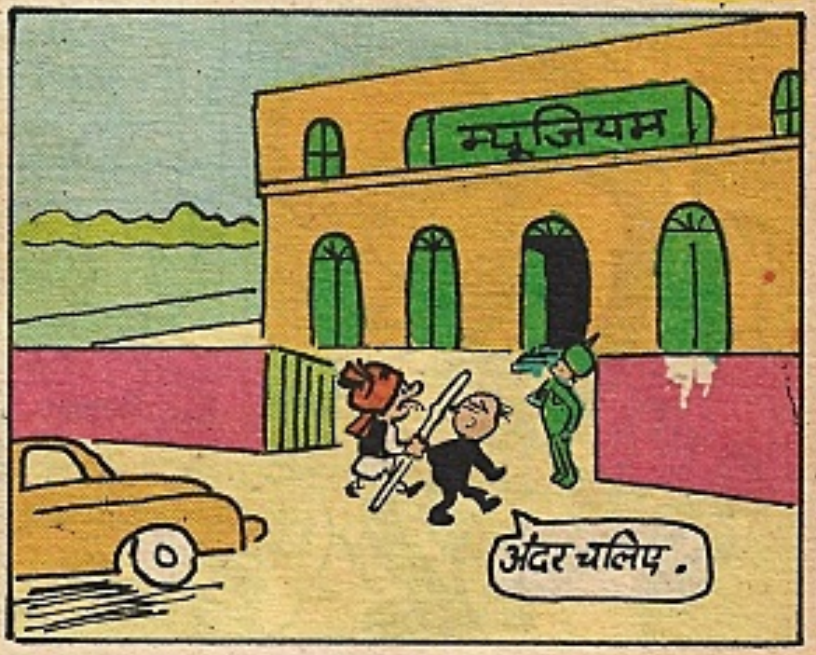
म्यूजियम
अंदर चलिए.

इस मूर्ति ने हीरों से जड़े दो बुंदे कानों में पहने हुए थे. पर आज जब हमने म्यूजियम खोला तो एक बुंदा गायब पाया.

पुलिस ने कोई गिरफ्तारी की?
पुलिस किसको पकड़ती? कोई हाथों का निशान ही नहीं मिला. शायद चोर ने दस्ताने पहनकर यह काम किया है.

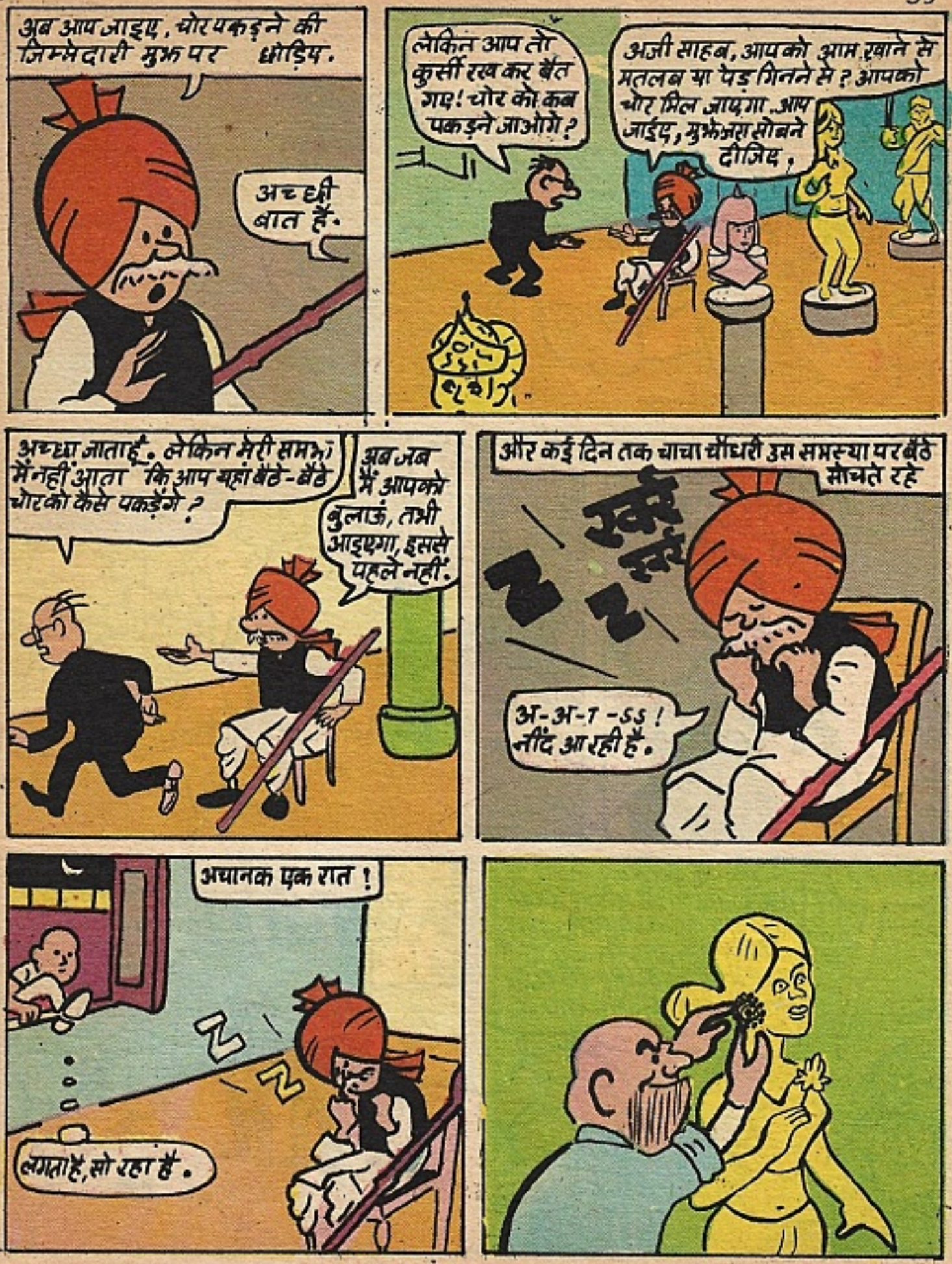
अब आप जाइए, चोर पकड़ने की जिम्मेदारी मुझ पर छोड़िए.
अच्छी बात है.
लेकिन आप तो कुर्सी रख कर बैठ गए! चोर को कब पकड़ने जाओगे?
अजी साहब, आपको आम खाने से मतलब या पेड़ गिनने से? आपको चोर मिल जाएगा आप जाइए, मुझे जरा सोचने दीजिए.
अच्छा जाता हूँ. लेकिन मेरी समझ में नहीं आता कि आप यहां बैठे-बैठे चोर को कैसे पकड़ेंगे?
अब जब मैं आपको बुलाऊं, तभी आइएगा, इससे पहले नहीं.
और कई दिन तक चाचा चौधरी उस समस्या पर बैठे सोचते रहे
ज़ूं ज़ूं
अ-अ-ट-ऽऽ! नींद आ रही है.
अचानक एक रात!
लगता है, सो रहा है.

तभी.
ओह!
अरे मर गया! पर आप तो सो रहे थे?
वह केवल दिखावा था.
धाड़!
धड़!
हैलो, डायरेक्टर साहब! अब आप आ जाइए. चोर पकड़ा गया. साथ में पुलिस भी लेते आइए.
अरे, चोर यहां? म्यूजियम में?
हां! मुझे इसके दोबारा आने की पक्की उम्मीद थी.
हाय! मेरी कमर!
पर कैसे?
जब चोर एक बुंदा लेकर बाजार में बेचने जाएगा तो खरीदार उसकी बहुत कम कीमत लगाएगा. उसने चोर से कहा होगा कि अगर दोनों कानों में पहनने के लिए बुंदों का सैट होता तो वह उसके लाखों रुपए दे सकता है. बस...
...ज्यादा दाम पाने के चक्कर में यह दूसरा बुंदा चुराने आया और पकड़ा गया. इसीलिए किसीने कहा है कि लालच बुरी बला है.

भूत

मालती, वह देखो, आज रात फिर सामने के भूत बंगले में रोशनी है लगता है भूत आ गया है।

वह देखो भूत बंगले में रोशनी जल रही है।
वह भूत ने ही जलाई होगी।

उस भूत बंगले में कौन रहता है?
कोई नहीं। वह सदियों से खंडहरों की तरह खाली पड़ा है। कभी कभी भूत आकर उसमें रहने लगता है और रात को जिस किसी को अकेला देखता है मार डालता है।

मेरा भाई संपत नाइट शिफ्ट की ड्यूटी देकर अभीतक नहीं लौटा। रात के बारह बज गए हैं।

खिड़की से देखता हूं आरहा होगा तो उसे सचेत कर दूंगा।

वह आ रहा है। अरे संपत भाग! भूत-बंगले से रोशनी आ रही है।
अरे बाप रे! भूत आ गया और मैं अकेला इस वीरान में!

Scan & editing by Rahul Dubey

वह लो चाचाजी पानी !
पानी के छींटे पड़ते ही सपत होश में आगया।
भूत, मेरा कुर्ता छोड़ दो !
अरे भई ! यहां कोई भूत-वूत नहीं है. कुर्ता तो इस झाड़ी के कांटों से उलझा हुआ है. तुम इसे ही भूत समझ कर बेहोश हो बैठे.
लेकिन वहां भूत है जरूर. वह देखो रोशनी. वहां तो कोई नहीं रहता. फिर लाईट किसने जलाई?
मुझे तो ऐसा प्रतीत होता है कि भूत वहां नहीं, तुम्हारे अपने ही घर में हैं.
यह एक साइंस का नुक्ता है, तुम मुझे अपने घर ले चलो वहीं मैं तुम्हें समझा सकूंगा
चलिए!
घर में जाकर
हा...हा ! असली भूत तो यह खिड़की के सामने रखा हुआ दर्पण है! जब चांद के प्रकाश की किरणें इस समतल दर्पण पर पड़ती हैं तो परावर्तित किरणें इस भूत बंगले की खिड़कियों पर प्रतिबिंब डालती हैं, जिससे वे तुम्हें रोशन दिखाई देती हैं
इस दर्पण को खिड़की से दूर हटा दिया मैंने.
अब देखो, उस बंगले की खिड़कियों पर कोई रोशनी नहीं.
वाह! चाचाजी, आपने तो हमारा भूत भगा दिया

चींटी की ताकत

देखना, चाचाजी! मैं एक ही झटके में इस पेड़ को काट दूंगा.

सटाक

हा- हा-! देखा चाचाजी, मैं कितना बलशाली हूं! मेरा कोई मुकाबला नहीं कर सकता!

साबू! बेशक तुम ताकतवर हो, पर तुम्हें घमंड नहीं करना चाहिए. कभी चींटी भी तुम्हें हरा सकती है.

चींटी? हो-हो- मैं हाथी को भी ऐसे उठा कर फेंक सकता हूं जैसे वह चूहा हो!

समय ही तुम्हें सबक सिखाएगा.

चाचा चौधरी यह कह कर पास ही लेट जाता है।

मैं थक गया हूं, जरा सुस्ता लूं

तभी एक छोटी सी चींटी आई और साबू की टांग पर चढ़ गई.

वह चलती चलती उसके चेहरे तक पहुंच गई...

और साबू की नाक में घुस गई.

नाक के अंदर जब चींटी ने काटा तो...

ओह!

बचाओ! चींटी मेरी नाक में घुस गई!

अरे! उंगली से चींटी को बाहर निकाल ले.

अरे! वह बहुत अंदर तक चली गई है. उंगली वहां तक नहीं जाती. बचाओ!
ठीक है! मुझे देखने दे.

यह लो नसवार. इसे जल्दी से सूंघ लो.

साबू नसवार नाक में डालता है.

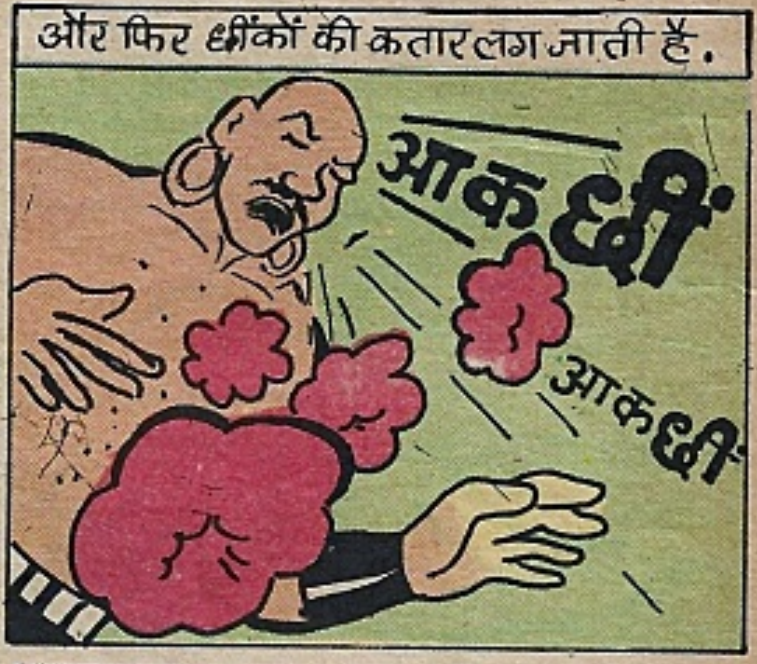
और फिर छींकों की कतार लग जाती है.
आक छीं
आक छीं

छींकों के वेग से चींटी जमीन पर आ गिरती है.

ओह! अब कुछ राहत मिली है.
अब तुम्हें पता चला कि घमंडी का सिर नीचा होता है.

षड्यंत्र

बॉस हमने साबू को मारने का सारा इंतजाम कर लिया है.
हूं !

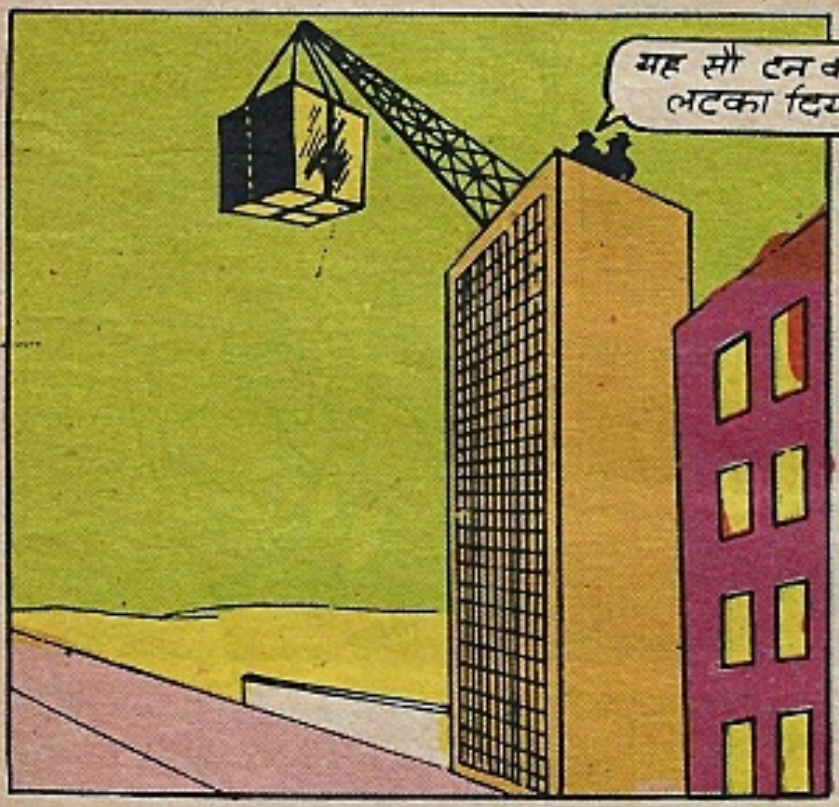
यह सौ टन का लोहा लटका दिया है.

सूचना मिली है कि साबू इधर आने वाला है. उसके नीचे आते ही हम रस्सी काट देंगे. भारी लोहा उसके ऊपर गिर जायेगा.

तभी...
साबू मेरी नाक में खुजली हो रही है. लगता है आगे खतरा है.

और साबू का पापड़ बन जायेगा.
बहुत खूब !

चाचाजी, आपकी नाक पर मच्छर काट गया होगा.
यही मौका है.
खटाक
साबू, बचो!

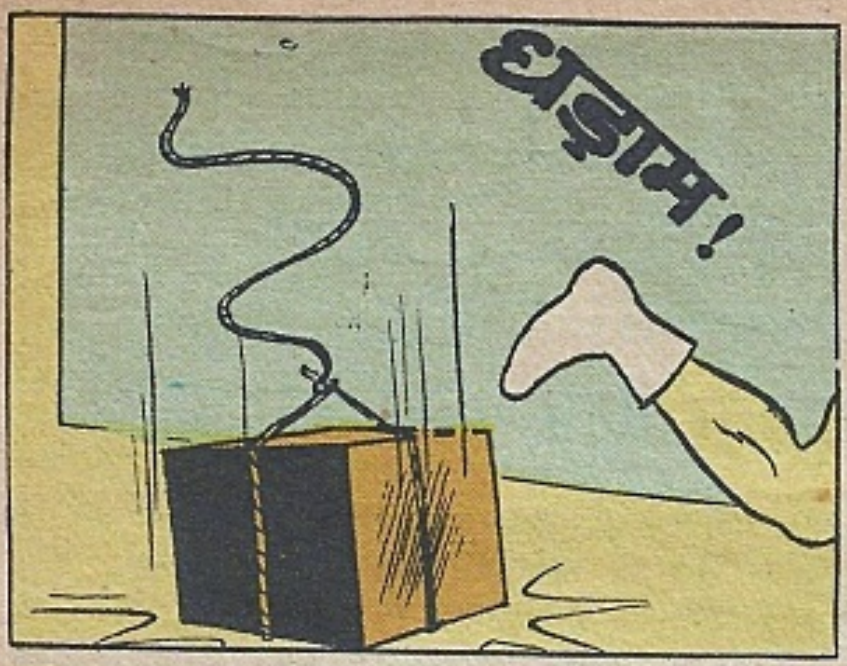

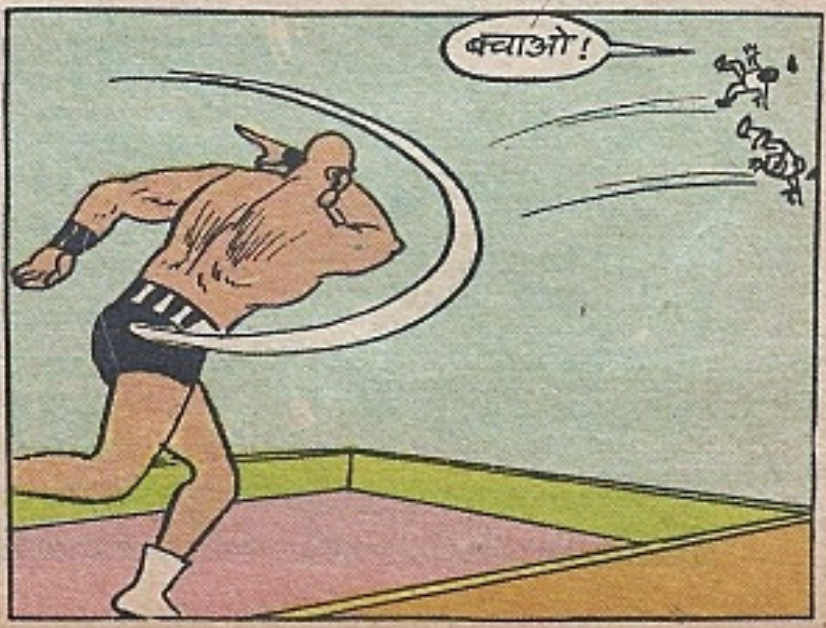

Scan & editing by Rahul Dubey

डायमण्ड कॉमिक्स में

चाचा भतीजा और जादुई चिराग का अजीबोगरीब करिश्मा

चाचा भतीजा और खूंखार दैत्य

चाचा भतीजा के अद्भुत कारनामे... खूंखार दैत्य और विकराल डाकिनी से चाचा भतीजे का मुकाबला। जीत किसकी हुई? पढ़िये चाचा भतीजा का नया कारनामा शानू जिन्न के दिल को गुदगुदाने वाले ठहाके...।

पृष्ठ 48
मूल्य 6/-

महाबली शाका का नया अंक

महाबली शाका और खतरनाक लूसा

कोसिमा के बीहड़ों में रहने वाला सर्वशक्तिमान, अजेय व्यक्ति। अपराधी जिसके नाम से थर थर कांपते हैं। आदिवासी, जिसे भगवान की तरह पूजते हैं। दुश्मनों के लिये साक्षात मौत...।
उसी महाबली शाका का नवीनतम हैरत अंगेज कारनामा

पृष्ठ 48
मूल्य 6/-

प्रसिद्ध चरित्र ताऊजी का महानतम विशेषांक

ताऊजी और महाबली शकराल

महान जादुई शक्तियों के स्वामी। पृथ्वी एवं अंतरिक्ष तथा पाताल की कोई भी बुरी ताकत जिन्हें कभी परास्त न कर सकी। जिन्होंने अनगिनत बुरी ताकतों और जादूगरों को पराजित कर धरती पर मानवता की रक्षा की.... लेकिन ताऊजी का बेटा शकराल अपने पिता से भी दस कदम आगे...। कैसे...?
हैरत अंगेज कारनामों से परिपूर्ण, मनोरंजन से भरपूर नया कामिक्स।

पृष्ठ 48
मूल्य 6/-

डायमण्ड कामिक्स प्रा. लि. 2715 दरियागंज नई दिल्ली- 110002

डायमंड कामिक्स में

कार्टूनिस्ट प्राण के प्रसिद्ध चरित्र

चाचा चौधरी के अन्य कॉमिक्स

चाचा चौधरी-राक्षस का तूफान
चाचा चौधरी और रोबट इब्नबतूता
चाचा चौधरी और युधिष्ठिर का मुकुट
चाचा चौधरी और एक करोड़ का हीरा
चाचा चौधरी और अरमान अली फरमान अली
चाचा चौधरी और साबू के लुटेरे
चाचा चौधरी का इंसाफ
चाचा चौधरी राक्का से मुठभेड़
चाचा चौधरी और गुलामों की बिक्री
चाचा चौधरी और रोबोट
चाचा चौधरी और हीरों की खेती
चाचा चौधरी और साबू पर हमला
चाचा चौधरी और चंपत संपत
चाचा चौधरी और राक्का का इंतक्काम
चाचा चौधरी और हकीम अलादगोटा
चाचा चौधरी और पलीते की कमर
चाचा चौधरी और पोपटलाल
चाचा चौधरी और उड़ने वाली कार
चाचा चौधरी और हाथी का व्यापार
चाचा चौधरी बिल्लू और पिंकी
चाचा चौधरी और राक्का की वापसी
चाचा चौधरी का धमाका
चाचा चौधरी और साबू की शादी
चाचा चौधरी अमेरिका में
चाचा चौधरी और साबू का बूट
चाचा चौधरी क्रिकेट मैच
चाचा चौधरी और रहस्यमय चोर
चाचा चौधरी और राक्का
चाचा चौधरी और साबू खाते टापू पर
चाचा चौधरी और कैराटे सम्राट
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे
चाचा चौधरी और बोतल में जिन्न
चाचा चौधरी और गब्बर सिंह से टक्कर
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण
चाचा चौधरी अन्तरिक्ष में
चाचा चौधरी और आदमखोर
चाचा चौधरी और साबू का हथौड़ा
चाचा चौधरी और शिकारी
लक्कड़बग्घा सिंह
चाचा चौधरी और मैडम जरो

Chacha Chaudhary's Other Comics

Chacha Chaudhary—Storm of Rakka
Chacha Chaudhary & Sheikh Ibnabututa
Chacha Chaudhary & Crown of Yudhistir
Chacha Chaudhary & Arman Ali Farman Ali
Chacha Chaudhary & Highway's Robbers
Chacha Chaudhary's Justics
Chacha Chaudhary Encounter with Rakka
Chacha Chaudhary & Robot
Chacha Chaudhary & Diamond Field
Chacha Chaudhary & Rakka's Vengeance
Chacha Chaudhary & Hakimji
Chacha Chaudhary in Space
Chacha Chaudhary & Kidnaping of Sobu
Chacha Chaudhary & Popat Lal
Chacha Chaudhary & Champat Sampat
Chacha Chaudhary & Attack on Sabu
Chacha Chaudhary & Hunchback of Palita
Chacha Chaudhary & Sabu's Hammer
Chacha Chaudhary & Flying Car
Chacha Chaudhary & Bank Robbers
Chacha Chaudhary & Bottle Genie
Chacha Chaudhary & Sale of Elephant
Chacha Chaudhary & Return of Rakka
Chacha Chaudhary Billoo & Pinki
Chacha Chaudhary & Marriage of Sabu
Chacha Chaudhary in America
Chacha Chaudhary & the Mysterious Thieves
Chacha Chaudhary & Sabu's Shoes
Chacha Chaudhary & Rakka
Chacha Chaudhary & the Cricket Match
Chacha Chaudhary & Sabu on Darkland
Chacha Chaudhary & Lakkar Bagha Singh The Hunter
Chacha Chaudhary Encounter with Gabbar Singh
Chacha Chaudhary & Treasure of Akbar the Great
Chacha Chaudhary & Cannibals
Chacha Chaudhary & Karate King
Chacha Chaudhary & Madam Zaro
Chacha Chaudhary & Slave Market

Billoo's Other Comics

Billoo & Heads of Ravan
Billoo & Elephant Ride
Billoo & Film Show
Billoo in Hostel
Billoo's Home Work
Billoo-I
Billoo-II
Billoo-III
Billoo-IV
Billoo on Picnic
Billoo's Softy
Mad Mad World & Billoo
Billoo's Friend

बिल्लू के अन्य कॉमिक्स

बिल्लू और रावण के सिर
बिल्लू का दोस्त
बिल्लू और हाथी की सैर
बिल्लू और फिल्म शो
बिल्लू होस्टल में
बिल्लू का होमवर्क
बिल्लू पिकनिक पर
बिल्लू की सोफ्टी
बिल्लू का हंगामा
बिल्लू-I
बिल्लू-II
बिल्लू-III
बिल्लू-IV

Pinki's Other Comics

Pinki's Birthday
Pinki & The World Record
Pinki & Kundanlal's Turban
Pinki & Parents
Pinki & The Jogglar
Pinki & Hatimtai
Pusi Cat of Pinki
Pinki & Coloured Camera
Pinki & Charity Ticket
Pinki & the Title of An Empress
Pinki & Mian Chilgoza
Pinki & Granny Story Exchange
Pinki & Bengali Sweets
Pinki & Grandpa's News Paper
Pinki & Kite of Jhapat Ji
Pinki & Bubbles
Pinki & Complimentary Fruits
Pinki & Joker
Pinki & Two-in-One

पिंकी के अन्य कॉमिक्स

पिंकी का जन्म दिन
पिंकी और बर्ल्ड रिकार्ड
पिंकी और कुंदनलाल पगड़ी वाला
पिंकी के मम्मी पापा
पिंकी और जोकर
पिंकी और चैरिटी का टिकट
पिंकी की पूसी
पिंकी और दादा जी का बाजार
पिंकी का पिल्ला
पिंकी और नानी की कहानी
पिंकी और हातिमताई
पिंकी और रंगीन कैमरा
पिंकी और साबुन के बुलबुले
पिंकी और मोरनका का खिताब
पिंकी और मिंया चिल्गोजा
पिंकी और झापट जी की पतंग
पिंकी और बंगाली रसगुल्ले
पिंकी और नूफल के बेर
पिंकी और घुमन्तर
पिंकी और ट्-इन-वन

डायमंड कामिक्स प्रा.लि. 2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

डायमंड पेश करते है

सुरूचिपूर्ण पुस्तकों का अनुपम संग्रह

A.H.W.
Paltu Series

शाकाहारी एवं मासाहारी भोजन बनाने की अनेक आधुनिक विधियां सिखाने वाली, हर गृहिणी के पढ़ने योग्य अत्यन्त उपयोगी पुस्तक

12/-

बच्चों की देखभाल, समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास के हर पहलू पर विस्तृत जानकारी दी गयी है इस उपयोगी पुस्तक बेबी हैल्थ गाइड में

12/-

सन्तानोत्पति एवं जन्म के बाद शिशु के पालन के सभी पहलुओं का उचित ज्ञान प्राप्त कराने वाली एक अत्यन्त उपयोगी पुस्तक

10/-

स्त्रियों के स्वास्थ्य एवं सौन्दर्य को बनाएं रखने और उनके आकर्षण को बढ़ाने में सहायक एक अत्यन्त उपयोगी पुस्तक

15/-

योगाभ्यास से शरीर सुकोमल, स्वस्थ और सुन्दर बनता है, इस उपयोगी पुस्तक से स्त्रियां अपने स्वास्थ्य और सौन्दर्य को बढ़ा सकती हैं।

10/-

डायमंड द्वारा प्रकाशित इस अत्यन्त उपयोगी पुस्तक नामकोश में लड़कों व लड़कियों के लिए हजारों आकर्षक नाम दिये गए हैं।

10/-

सौन्दर्य और श्रृंगार हर नारी का जन्म सिद्ध अधिकार है। डायमंड ब्यूटी गाइड से हर नारी अपने सौन्दर्य को और भी निखार कर आकर्षक बना सकती है।

12/-

पत्र लिखना एक कला है। प्रेम पत्र लिखने की कला सिखाती है यह पुस्तक। युवक युवतियों के लिए एक अनमोल भेंट

12/-

डायमंड पाकेट बुक्स के अन्य उपयोगी प्रकाशन

घरेलू इलाज	12.00	सैक्स और पति पत्नी	12.00
प्राकृतिक चिकित्सा	12.00	अचार, मुरब्बे, चटनी	12.00

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw